गौ संस्कृति कृषि संस्कृति ऋषी संस्कृति

श्री गीर गौ कृषि जतन संस्थान - गोंडल, गुजरात

गीर गौ पालन प्रशिक्षण एवं दैनिक कार्यशाला

जिन लोगो ने प्रशिक्षण लिया है या प्रशिक्षण लेना चाहते है और साथही चाहते है की उनको व्यावारिक अनुभव भी प्राप्त हो, उनके लिए दैनिक कार्यशाला का आयोजन किया गया है

गीर गौ पालन एवं दैनिक कार्यशाला के कार्यक्रम की रुपरेखा

- प्रशिक्षण की समय अवधि – 4 दिन
- दैनिक कार्यशाला की समय अवधि - 7 दिन (या आपकी सुविधानुसार)

कार्यशाला की दिनचर्या

1. सुबह-शाम दुग्ध दोहन
2. गौशाला की साफ़-सफाई
3. गौ माता का परिक्षण
4. अग्निहोत्र यज्ञ
5. सुबह का नास्ता
6. गौ आधारित उत्पाद बनाने के कार्य मे सहयोग एवं उनका पैकेजिग, लेबलिग़ और सेलिंग करने की दैनिक प्रक्रिया मे भाग लेना
7. दोपहर का भोजन
8. विश्राम
9. अध्ययन और अन्य प्रवृति
10. दुध देने वाली गाय को अलग करना
11. गाय माता को चारा डालना
12. उनका बाटा तैयार करना
13. दुग्ध दोहन
14. अग्निहोत्र यज्ञ
15. शाम का भोजन
16. अध्ययन और अन्य व्यक्तिगत प्रवृति
17. रात्रि विश्राम

दैनिक कार्य

सुबह दुग्ध दोहन

गोपालन में दूध दोहन एक अगत्य का भाग है और दिन की शुरुआत दुग्ध दोहन से ही होगी

गौ शाला की साफ सफाई

कोई भी कार्य में साफ सफाई महत्वपूर्ण होती है और गौशाला को स्वच्छ रखने के दैनिक कार्य मे सहयोग

गौमाता का परिक्षण

गौमाता का परिक्षण होंगा जेसे की कोई गौ माता बीमार है या उनको कोई तकलीफ तो नहीं?

अग्निहोत्र यज्ञ

वैदिक संस्कृति और जैविक कृषि का एक अंग अग्निहोत्र यज्ञ भी है।
अग्निहोत्र से सभी जीवो को फायदा होता है।

सुबह का नास्ता

पुरे दिन की उर्जा के लिए सुबह सब साथी मिलके शुध्ध, सात्विक और पोस्टिक नास्ता करेगे

गौ आधारित उत्पादन

गौमाता के पंचगव्य आधारित उत्पादन कैसे बनाए,
उसकी पेकेजिग-लेबलिंग और सेलिंग के दैनिक कार्य मे सहयोग

दोपहर का भोजन

दोपहर साथी साथ में मिलके शुध्ध देशी भोजन का आनंद लेनगे

विश्राम

दोपहर का विश्राम

अध्ययन एवं अन्य प्रवृति

सब के साथ बैठकर गौ माता के बारे में ज्ञान का आदान-प्रदान और अध्ययन करेगे एवं अन्य अंगत प्रवृति

मैसमी कृषि के बारे में जानकारी एवं उसमे सयोग देना

जैविक कृषि गौपालन का एक हिस्सा है। आपकी उपस्थिति समय मे मैसम के हिसाब से गौशाला मे हो रहे कृषि कार्य मे योगदान

सभी गौमाता को चारा डालना

सभी गौमाता के लिए चारा डालेंगे और साथ में बाटा तैयार करेंगे

दुग्धवाली वाली गौमाता को अलग करना

शाम के समय दूध निकालने के लिए दूग्ध देने वाली गौ माता को अलग करेंगे

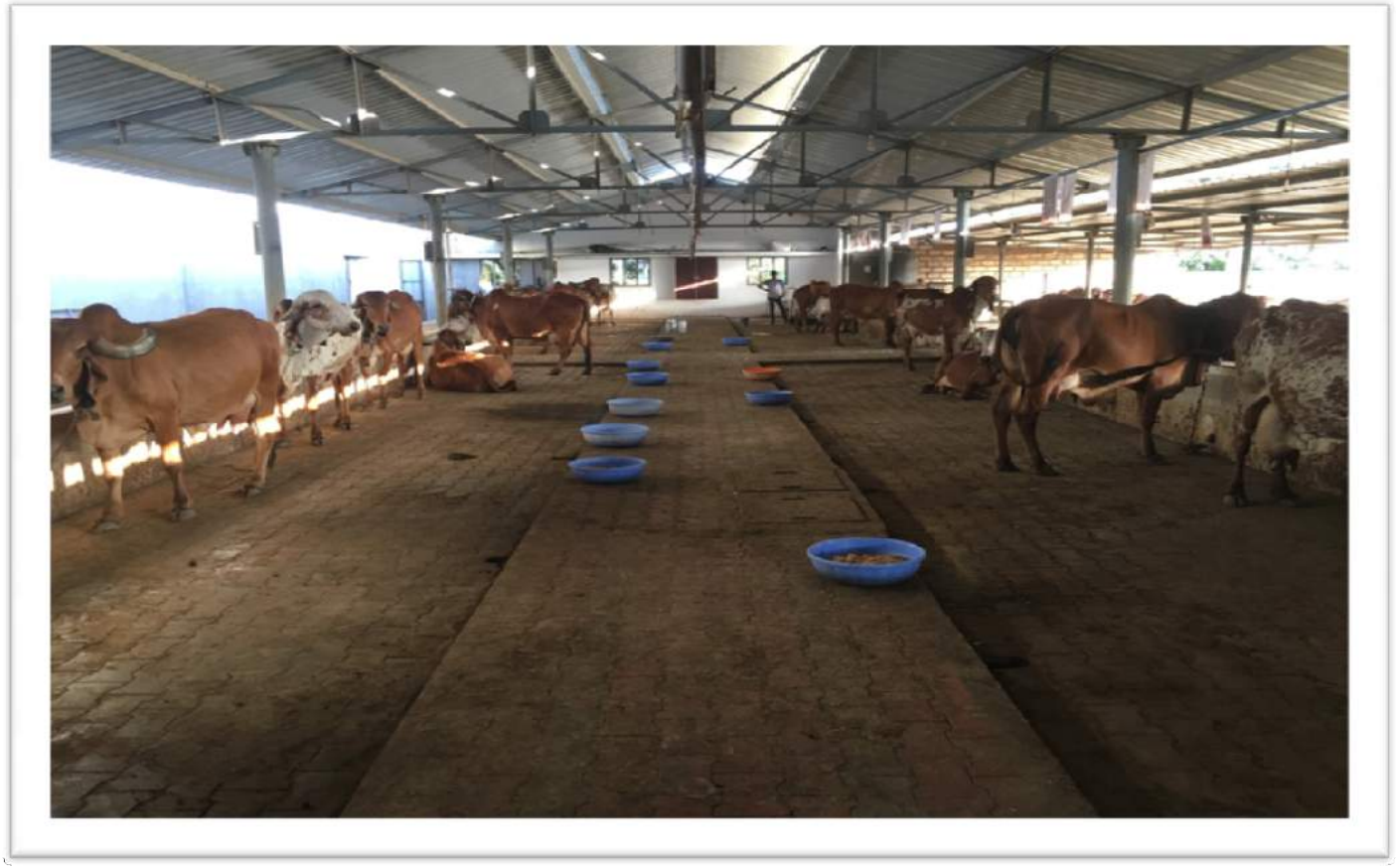

अग्निहोत्र यज्ञ

शाम को सूर्यास्त के समय पर अग्निहोत्र यज्ञ

शाम का भोजन

शाम को सब मिलके भोजन लेंगे

अध्ययन और अन्य प्रवृति

शाम को पुरे दीन का अनुभव और दिनचर्या केसी रही
उस विषय में बाते करगे ओर अपना अंगत कार्य करेगे

आराम

पुरा दिन गौमय बना ने के बाद रात्रि को आराम करेंगे

आवश्यक सूचनाः-

- लाभ लेनेवाले प्रसिक्षनार्थी को अपना ओरिजनल पहेचान पत्रक साथ में लाना आवश्यक है और उसकी एक कोपी जमा करनी होगी।
- कार्य के दरमियान फोन का उपयोग प्रतिबंधित है। फोन का उपयोग अपने फ्री समय में कर शकते है।
- इन दैनिक कार्यो के अलावा यदि उस समय कोई गौमाता गाभिन हो तो उनका कीस तरह ध्यान रखे, क्या खिलाये या उनका प्रसव कैसे करवाना है, उस समय कीन बातो का ध्यान रेखे यह सिखना। साथ ही अन्य दैनिक प्रवृत्ति, परेशानी या बीमारी में गौ के साथ व्यवहार की जानकारी। ऋतु अनुसार कृषि में भी हल्दी, मक्का, गन्ना लगाना एवं कटाई, जिजवा लगाना या अन्य कृषि के उत्पादन कैसे उगाये उनका व्यवारिक अनुभव करवायेगें।
- ज्यादा जानकारी एवं रजिस्ट्रेसन के लिए हमारी वेबसाइड पर जाएः-

www.gircowcare.org

श्री गीर गौ जतन संस्थान-गोंडल

वोरा कोठडा रोड, शीतला माता के मंदिर के सामने
गोंडल - 360 311
जिल्ला:- राजकोट (गुजरात)
www.gircowcare.org

संपर्क सूत्र : 9408140328/29